भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1109

10 फरवरी, 2021 को उत्तर के लिए

विशाखापट्टनम में ग्रीनफील्ड इस्पात संयंत्र

1109. श्री वि. विजयसाई रेड्डी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पोस्को और हुंडई विशाखापट्टनम, आंध्र पदेश में आरआईएनएल के परिसर में 30,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक ग्रीनफील्ड इस्पात संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है;

(ख) यदि हाँ, तो क्या यह सच है कि उक्त कंपनियों ने अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आरआईएनएल की भूमिका क्या होगी और ग्रीनफील्ड कंपनी में इसकी इक्विटी कितनी होगी;

(घ) क्या यह भी सच है कि कंपनी से उच्च स्तरीय शिष्टमंडल और मूल देश के राज-दूत हाल ही में आरआईएनएल गए; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (ग): पॉस्को ने विशाखापट्टनम में आरआईएनएल की जमीन पर इस्पात संयंत्र स्थापित करने में रुचि प्रकट की है। अक्टूबर, 2019 में आरआईएनएल और पॉस्को के बीच एक गैर-बाध्यकारी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौता ज्ञापन के अनुसार, सूचना के आदान-प्रदान के लिए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया गया है। फिलहाल शेयरधारिता प्रतिमान निर्धारित नहीं किया गया है। हालांकि, समझौता ज्ञापन के अनुसार, पॉस्को कम से कम 50% शेयरधारिता चाहता है जबकि आरआईएनएल की शेयरधारिता का निर्धारण संयंत्र की स्थापना के लिए जमीन दिए जाने में आरआईएनएल के मूल्यांकन के आधार पर होगा।

(घ) और (ड़): भारत में दक्षिण कोरिया के राजदूत के साथ पॉस्को और हुंडई के एक संयुक्त दल ने आरआईएनएल, विशाखापट्टनम का दौरा किया और दिनांक 22.10.2018 को आरआईएनएल, एनएमडीसी और इस्पात मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में हिस्सा लिया। तत्पश्चात, संयंत्र की स्थापना के संबंध में पॉस्को के अधिकारियों के एक दल ने दिनांक 09.07.2019, 23.09.2019 और 20.02.2020 को आरआईएनएल का दौरा किया।

****